

दांतों का दुखना

दांतों का दुखना यानि क्या और वह क्यों होता है ?

दांतों का दुखना यानि दांतों के आंतरिक भाग की नसों में दर्द होने से होनेवाली तकलिफ

कैसे करे निदान ?

चिकित्सक दात एवं मुँह की जाँच करते है। दांतों में फैला रोग एवं दाढ़ में जाँच हेतु क्ष-किरण जाँच की आवश्यकता रोगी को हो सकती है।

कैसे करे उपचार ?

दांतों के स्वरूप के अनुसार उपचार किया जाता है। रोगी को निम्न उपचार की आवश्यकता निर्माण हो सकती है।

- NSAIDS - नॉन स्टेरॉईड अँटी इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स यानि स्टेरॉईड्स रहित दवाएँ जैसे आयबुप्रोफेन जो सुजन एवं बुखार कम करती है। जो फार्मसी में चिकित्सक की चिट्ठी बिना उपलब्ध हो सकती है।
- अँसिटामायनोफेन- दर्द एवं बुखार कम करती है।
- दांत दर्द के लिए चिकित्सक वेदनाशामक दवाएँ लिखकर दे सकते है।
- प्रतिजैविक- इसके कारण दांतों के भीतर जीवाणु को फैलने से रोका एवं समाप्त किया जाता है।

दांतों को दुखने का व्यवस्थापन कैसे करे ?

- मुख को गुनगुने पानी से धोये - दिनभर में चार बार अथवा बताएँ अनुसार
- नरम पदार्थ खाएँ- चबाने से वेदना बढ़ती है जिस कारण नरम पदार्थ खाने चाहिए।
- जबड़ा एवं गालों पर बरफ से मालिश करे। हर 15 से 20 मिनट में बरफ से मालिश करने से सुजन एवं पेशियों में दर्द को कम किया जाता है।

दांतों के दर्द को किस प्रकार से रोके ?

- दिनभर में दो बार दांतों को धोये।
- दांतों के बीच के हिस्से को फ्लॉस ब्रश से दिन में कम से कम एक बार साफ करे।
- दांतों को स्वच्छ रखने के लिए मुख की जाँच प्रत्येक छः महीनों में करनी चाहिए, तथापि दंत चिकित्सक से नियमित जाँच करनी चाहिए।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0

